महेश जोशी समेत आधा दर्जन आरोपियों की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े एसीबी केस में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हैं आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में जल जीवन मिशन घोटाले से जुडे एसीबी केस में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे तत्कालीन जलदाय मंत्री महेश जोशी और पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल सहित आधा दर्जन से अधिक आरोपियों संजय बडाया, महेंद्र प्रकाश सोनी, कृष्णदीप गुप्ता, संजीव कुमार गुप्ता, दिलीप कुमार और मुकेश पाठक की जमानत याचिकाओं पर दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई है। इसके साथ ही अदालत में मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली ने यह आदेश आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

जमानत याचिका में महेश जोशी की ओर से अधिवक्ता स्नेहदीप ने कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज होने के करीब डेढ साल बाद उसे गिरफ्तार किया गया है। वहीं अप्रैल, 20525 से दिसंबर, 2025 तक ईडी से जुड़े मामले में अभिरक्षा में रहने के दौरान एसीबी ने उसे अभिरक्षा में लेने का प्रयास नहीं किया गया। वह संबंधित टेंडर में बिड एवेल्यूशन कमेटी व वित्त समिति का सदस्य भी नहीं था। टेंडर से जुड़ा सारा काम प्रशासनिक अधिकारियों ने किया था। ऐसे में उसे जमानत दी जाए। वहीं विभाग के तत्कालीन एसई महेन्द्र प्रकाश सोनी की ओर से अधिवक्ता सुधीर जैन ने कहा कि मामले में समान तथ्यों के आधार पर एक से अधिक एफआईआर दर्ज हुई है। इसके अलावा ठेका फर्म के संचालकों को पूर्व में राहत दी गई है। एसीबी ने मामले में आरोप पत्र भी पेश कर दिया है। जिसकी सुनवाई पूरी होने में लंबा समय लगेगा। इसलिए उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए सरकारी वकील ने कहा कि तत्कालीन मंत्री होने के नाते आरोपी विभाग का मुखिया था और अन्य आरोपियों से मिलीभगत कर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ऊंची दरों पर टेंडर जारी किए गए। ऐसे में आरोपियों को जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

राजस्थान में 1 करोड़ हेक्टेयर फसली क्षेत्र का बीमा हुआ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में सबसे ज्यादा 1 करोड़ हेक्टेयर फसली क्षेत्र का बीमा "प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना" के तहत हुआ है। इसके माध्यम से प्राकृतिक आपदाओं एवं प्रतिकूल मौसम के कारण फसल को हुए नुकसान की स्थिति में लाखों किसानों को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराई जा सकेगी। राजस्थान में देश में सबसे अधिक लगभग 62 लाख 58 हजार किसानों को योजना में नामांकित किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में राज्य के लगभग 2 करोड़ 82 लाख हेक्टेयर सकल फसली क्षेत्र में 1 करोड़ हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को योजना के अंतर्गत बीमित किया गया है, जो देश में सर्वाधिक है। राज्य के कुल फसली क्षेत्र में बीमित क्षेत्र 36 प्रतिशत है, जो देश के औसत 32 प्रतिशत से बेहतर है। यह प्रतिशत झारखंड और छत्तीसगढ़ के बाद सबसे अधिक है।

विधानसभा प्रश्नकाल के लिए सरकार की नई रणनीति

मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को सौंपी विभागवार जिम्मेदारी

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के आगामी सत्रों को लेकर मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश जारी करते हुए अपने अधीन आने वाले विभिन्न विभागों के विधानसभा प्रश्नों एवं संसदीय कार्यों का दायित्व मंत्रियों के बीच विभाजित कर दिया है। इस फैसले का उद्देश्य प्रश्नकाल के दौरान विभागीय जवाबदेही को और अधिक प्रभावी एवं सुव्यवस्थित बनाना है।

जारी आदेश के अनुसार उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को आयोजना विभाग, आयोजना (जनशक्ति) तथा सांख्यिकी विभाग से जुड़े विधानसभा प्रश्नों और संसदीय कार्यों का दायित्व सौंपा गया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह को खान एवं पेट्रोलियम, मत्स्य, राजकीय उपक्रम, अप्रवासी भारतीय, कृषि सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता, इंदिरा गांधी नहर, आबकारी तथा कारागार विभागों से संबंधित प्रश्नों की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा मुख्यमंत्री के अधीन यदि कोई अन्य विभाग रहेगा तो उससे जुड़े प्रश्नों का उत्तरदायित्व भी गजेन्द्र सिंह के पास रहेगा।

संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल को कार्मिक, नीति निर्धारण प्रकोष्ठ, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, सामान्य प्रशासन, सम्पदा, निर्वाचन, मंत्रिमंडल सचिवालय, राजस्थान स्टेट मोटर गैराज, मुद्रण एवं लेखन सामग्री तथा भाषा एवं पुस्तकालय विभाग आवंटित किए गए हैं। इसी प्रकार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा को सूचना एवं जनसंपर्क, शांति एवं अहिंसा, कृषि विपणन, अल्पसंख्यक मामलात एवं वक्फ, श्रम तथा कारखाना एवं बॉयलर्स निरीक्षण विभागों का दायित्व सौंपा गया है। वहीं राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम को गृह विभाग, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) तथा जेल विभाग से जुड़े विधानसभा प्रश्नों और संसदीय कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। सरकार का यह निर्णय विधानसभा के आगामी सत्र में प्रश्नकाल को अधिक प्रभावी, समयबद्ध और जवाबदेह बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

पतंजलि योगपीठ में जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस

हरिद्वार। पतंजलि योगपीठ में आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिवस जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि अनुसंधान संस्थान ने आयुर्वेद को साक्ष्य आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि जन्मदिन केवल उत्सव नहीं, बल्कि श्रेष्ठ कार्यों का संकल्प लेने का दिन है। कार्यक्रम में साक्ष्य आधारित 12 नई आयुर्वेदिक औषधियों और आचार्य बालकृष्ण द्वारा रचित 40 पुस्तकों का विमोचन किया गया।

स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण सहित करीब 710 लोगों ने रक्तदान किया। वहीं, पतंजलि इमरजेंसी एवं क्रिटिकल केयर अस्पताल की ओर से करीब 1,500 लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई और औषधियां वितरित की गईं। कार्यक्रम में जड़ी-बूटियों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नीम, तुलसी, एलोवेरा और आंवला सहित औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

4 दिन में 100 ई-रिक्शा का पंजीयन नहीं हो सका

जयपुर। राजधानी में परकोटे, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम करने के लिए शुरू की गई ई-रिक्शा की जोनवार पंजीयन व्यवस्था को अपेक्षित गति नहीं मिल रही है।

एक अगस्त से शुरू हुई पंजीयन प्रक्रिया के चार दिन बाद भी 100 का आंकड़ा नहीं छू सकी है। अब तक करीब 300 से अधिक लोगों ने जानकारी ली है, लेकिन केवल करीब 50 ई-रिक्शा का ही पंजीयन हो पाया है।

इस स्थिति को देखते हुए यातायात पुलिस ने डीसीपी ट्रैफिक कार्यालय (यादगार) में ई-मित्र सुविधा केंद्र शुरू किया है, जहां ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन माध्यम से भी पंजीयन कराया जा रहा है।

विधानसभा के षष्ठम सत्र से पहले देवनानी ने 18 अगस्त को बुलाई सर्वदलीय बैठक

20 अगस्त से शुरू होगा विधानसभा का मानसूत्र सत्र, इससे पूर्व सभी पक्षों से होगी चर्चा

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के षष्ठम सत्र के लिए सर्वदलीय बैठक 18 अगस्त को प्रातः 11 बजे विधानसभा में बुलाई है। उल्लेखनीय है कि सोलहवीं विधान सभा का षष्ठम सत्र 20 अगस्त से आरम्भ हो रहा है। सोलहवीं राजस्थान के स्पीकर वासुदेव देवनानी की यह पहल राजस्थान विधान सभा में ऐतिहासिक है। देवनानी राजस्थान के पहले स्पीकर है, जिन्होंने सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई है। देवनानी ने कहा कि सदन जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल है। इस स्थल की गरिमा को बनाए रखना सभी दलों के विधायकों की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। सदन को शांतिपूर्ण चलाने में सर्वदलीय बैठक अहम कदम है।

देवनानी ने बताया है कि बैठक में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, मुख्य सचेतक प्रतिपक्ष रफीक खान, विधायक डॉ. सुभाष गर्ग, मनोज कुमार, थावर चन्द को आमन्त्रित किया गया है। इसके लिए विधान सभा सचिवालय से सभी को पत्र भेजे गये हैं।

देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करने का सशक्त माध्यम है। इससे सदन की कार्यवाही में सभी दों की सहभागिता सुनिश्चित होती है और जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा का मार्ग प्रशस्त होता है। देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक, विधान सभा सत्र शांतिपूर्ण चलने पर सभी दलों की सहमति का सार्थक एवं महत्वपूर्ण कदम है।

देवनानी की अध्यक्षता में सोलहवीं राजस्थान विधान सभा में यह सातवीं सर्वदलीय बैठक होगी। इससे पहले छः बैठके हो चुकी है। देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठकों की परंपरा लोकतांत्रिक संवाद और संसदीय समन्वय को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम रही है। पूर्व में आयोजित बैठकों से सदन की कार्यवाही के संबंध में विभिन्न दलों के बीच बेहतर सामंजस्य विकसित हुआ। सर्वदलीय बैठक से सदन के प्रभावी संचालन, जनमहत्व के विषयों पर सार्थक चर्चा तथा संसदीय परंपराओं एवं सदन की गरिमा के अनुरूप कार्यवाही संचालित करने में सकारात्मक वातावरण बना। उन्होंने कहा कि सर्वदलीय बैठकों से आपसी संवाद, विश्वास और सहयोग की भावना को बल मिलता है, जिससे विधानसभा जनअपेक्षाओं के अनुरूप अधिक प्रभावी, उत्तरदायी और परिणामोन्मुख भूमिका निभाने में सक्षम होती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी सर्वदलीय बैठक भी षष्ठम सत्र को अधिक सुव्यवस्थित, गरिमापूर्ण और जनहित के प्रति समर्पित बनाने में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के जीवन पर पुस्तक का विमोचन

जयपुर। पांच राज्यों के राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे सत्यपाल मलिक की प्रथम पुण्यतिथि पर बुधवार 5 अगस्त को कॉस्टीट्यूशनल क्लब राजस्थान विधानसभा में प्रोफेसर डॉक्टर इकबाल कौर मलिक के द्वारा लिखित पुस्तक डियर सतपाल का विमोचन , हरिराम किंवाड़ा द्वारा बनाई गई सत्यपाल मलिक के जीवन दर्शन की डॉक्यूमेंट्री फिल्म "द ग्रेट मैन ऑफ इंडिया" का प्रसारण के साथ राष्ट्रीय सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। पुस्तक की समीक्षा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग की सदस्य अंकलेश जाखड़ ने की।

प्रधानमंत्री राष्ट्रपति शील्ड अवार्डी शिक्षाविद् डॉ. गणेश नारायण गुरुजी के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के रूप में राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, गंगापुर से विधायक रामकेश मीणा, आदर्श नगर विधायक रफीक खान, लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला, राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह, मुंडावर से विधायक ललित यादव, नोहर विधायक अमित चाचान, राजस्थान प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे जस्साराम चौधरी मौजूद थे।

जनजातीय अंचलों में 37 लाख लोगों की स्क्रीनिंग

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय अंचलों में सिकल सेल एनीमिया जैसी गंभीर आनुवंशिक बीमारी के नियंत्रण और रोकथाम के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। सरकार का फोकस केवल बीमारी की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि स्क्रीनिंग से लेकर समयबद्ध उपचार, नियमित फॉलोअप, टीकाकरण, काउंसलिंग और जागरूकता तक एक समग्र स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र विकसित करने पर है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन-2047 के अनुरूप राजस्थान सरकार का लक्ष्य सिकल सेल एनीमिया से लडने के लिए जनजातीय क्षेत्रों में मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र तैयार कर आने वाली पीढ़ियों को इस बीमारी के दुष्प्रभाव से बचाना है। प्रदेश में जनजातीय अंचलों की करीब 37.50 लाख आबादी की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस लक्ष्य के मुकाबले प्रदेश में 37.02 लाख लोगों की स्क्रीनिंग पूरी कर 98.72 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में स्क्रीनिंग के इस व्यापक अभियान के तहत उदयपुर में 11.12 लाख, बांसवाड़ा में 10.39 लाख, डूंगरपुर में 8 लाख, प्रतापगढ़ में 4.26 लाख, सिरोही में 1.64 लाख, बारां में 90 हजार, पाली में 41 हजार, चित्तौडगढ़ व राजसमंद में 13-13 हजार लोगों की स्क्रीनिंग की गई है।

उदयपुर के सेंटर ऑफ कॉम्पिटेंस की प्रभावशीलता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि अब तक यहां 6160 ओपीडी और 306 आईपीडी सेवाएं उपलब्ध कराई जा चुकी हैं तथा 589 सिकल सेल रोगियों और 3000 सिकल सेल वाहकों की पहचान हुई है।

इस केंद्र द्वारा 32 हजार नवजात की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें 621 नवजात पॉजिटिव पाए गए। इसी प्रकार 8500 गर्भवती महिलाओं की एएनसी स्क्रीनिंग में 500 पॉजिटिव मामलों की पहचान की गई।

पेड़ लगाने के बाद उनका संरक्षण भी करें : बागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को लोकभवन में ग्रामीण विकास विभाग से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने गाँवों के प्रभावी विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना, लखपति दीदी और वीबी-जीरामजीके तहत राजस्थान में हुए कार्यों के प्रस्तुतीकरण को देखकर इनके तहत रही उपलब्धियों की विशेष रूप से सराहना की राज्यपाल ने गांवों में हस्तकलाओं, कौशल विकास से जुड़े कार्यों के प्रशिक्षण के लिए समुचित व्यवस्था किए जाने का भी आव्हान किया।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे

राज्यपाल ने लखपति दीदी योजना, हर घर नल, सभी गांवों में शतप्रतिशत शौचालय के अंतर्गत हुए कार्यों की भी बैठक में विशेष रूप से समीक्षा की। उन्होंने जीरामजी के अंतर्गत लोगों को काम देने और इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग किए जाने पर भी जोर दिया।

बागडे ने मानसून में अधिक से अधिक पौधारोपण किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाएं ही नहीं, यह भी सुनिश्चित करें कि वे लगने के बाद जिंदा रहे।

उन्होंने राजसमंद के पिपलांत्री गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह से वहां पौधे लगाए गए हैं और उनका संरक्षण किया गया है, उसी तरह दूसरे गांवों में भी वृक्षारोपण के लिए कार्य किया जाए। उन्होंने गांवों में पीने के पानी की प्रभावी व्यवस्था करने पर भी जोर दिया।

स्कूलों में नामांकन वृद्धि पर चर्चा

जयपुर (कासं)। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में शैक्षिणक गुणवत्ता सुधार एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शिक्षा विभाग एक्शन प्लान तैयार करने में जुटा है। स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने बुधवार को सभी जिला शिक्षा अधिकारियों की वर्चुअल बैठक ली। बैठक में मिशन पढ़ो राजस्थान, नामांकन वृद्धि, ड्रॉपआउट नियंत्रण, विद्यालय सुधार, सुरक्षा एवं मासिक रैंकिंग सहित विभिन्न विषयों पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रीड-ए-थॉन में लगभग 68 लाख लोगों की भागीदारी पर बधाई दी।

राजस्थान में इमर्सिव टूरिज्म एक्सपीरिएंस विकसित करने की जरूरत : शुचि त्यागी

जयपुर। पर्यटन सचिव शुचि त्यागी ने कहा कि, "आज के पर्यटक केवल पर्यटन स्थलों का भ्रमण नहीं, बल्कि यादगार और गहन अनुभवों की तलाश करते हैं। ऐसे में राजस्थान को निजी क्षेत्र के हितधारकों के साथ मजबूत सहयोग के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाले और इमर्सिव पर्यटन अनुभव विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, मजबूत कनेक्टिविटी और वन्यजीव, वेलनेस और एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देने वाले प्रचार अभियानों के साथ राज्य पर्यटन को आर्थिक विकास के प्रमुख माध्यम के रूप में स्थापित करने पर जोर है। त्यागी बुधवार को जयपुर के आईटीसी राजपूताना में आयोजित राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट (आरडीटीएम) के छठे संस्करण और प्रथम मारवाड़ ट्रैवल मार्ट, जोधपुर के कर्टेन रेज़र कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी।

जयपुर स्थित आईटीसी राजपूताना में बुधवार को राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट के छठे संस्करण और प्रथम मारवाड़ ट्रैवल मार्ट जोधपुर का कर्टेन रेज़र कार्यक्रम आयोजित हुआ।

उन्होंने कहा कि पर्यटन राजस्थान की सबसे बड़े ताकत है, क्योंकि इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार, आजीविका और नए व्यवसाय के अवसर पैदा होते हैं। इस अवसर पर राजस्थान टूरिज्म विभाग और एफएचटीआर के बीच मात्र्स को लेकर एमओयू हस्ताक्षर भी हुए। जिसके पश्चात, आरडीटीएम और एमटीएम के औपचारिक पोस्टर लॉन्च किए गए।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पर्यटन आयुक्त रुक्मणी रियार ने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिस्थितियों के कारण अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में कुछ कमी आ सकती है। ऐसे में यह ट्रैवल मार्ट्स घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

अंगदान करने वाले 12 परिवारों और 10 ट्रांसप्लांट एथलीट्स का हुआ सम्मान

देश के 5 लाख लोगों में से राजस्थान के 1.41 लाख से अधिक लोगों ने लिया अंगदान का संकल्प

जयपुर (कासं)। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि अंगदान जीवनदान है, यह करूणा और सेवा का सच्चा उदाहरण है क्योंकि अंगदान का निर्णय अनेक परिवारों को नया जीवन व नई आशा देते हैं। एक व्यक्ति अंगदान से 8-9 लोगों को नया जीवन दे सकता है। खींवसर बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज

■ **समारोह में भीलवाड़ा और झुंझुनूं कलेक्टर को किया सम्मानित**

सभागार में राष्ट्रीय अंगदान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

समारोह में उन्होंने अंगदान करने वाले 12 परिवारों, 10 ट्रांसप्लांट एथलीट्स को सम्मानित किया। साथ ही अंगदान संकल्प में राजस्थान में प्रथम स्थान पर रहे भीलवाड़ा कलेक्टर जसमीत सिंह, दूसरे स्थान पर रहे झुंझुनूं कलेक्टर अरूण गर्ग तथा तीसरे स्थान पर जयपुर को सम्मानित किया गया। समारोह में बीएसडी कमेटी में एसएमएस हॉस्पिटल जयपुर, बेस्ट कैडेवरी ट्रांसप्लांट एम्स जोधपुर, बेस्ट एनटीओआरसी में जवाहर नेहरू मेडिकल कॉलेज अजमेर, सर्टिफिकेट ऑफ एप्रिसियेशन डॉ मनीषा मलिक, बेस्ट ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेटर रामरतन खंगवाल, बेस्ट एनजीओ में एमएफजेसीएफ, बेस्ट इमरजिंग एनजीओ में द अर्थ तथा पोस्टर पुरस्कार में काजल शर्मा तथा स्लोगन में तन्मय को पुरस्कृत किया गया।चिकित्सा मंत्री ने कहा कि, आज देश में आधार सत्यापित अंगदान प्रतिज्ञाओं का आंकड़ा 5 लाख से अधिक हो चुका है। इनमें से राजस्थानवासियों का योगदान 1.41 लाख से अधिक है। आज अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या में भारत, अमेरिका और चीन के बाद विश्व में तीसरे स्थान पर है।

चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में अंगदान करने वाले 12 परिवारों और 10 ट्रांसप्लांट एथलीट्स को सम्मानित किया।

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि अंगदान आसान नहीं है, यह बड़ा निर्णय होता है। यह जीवन बचाता है, नई जिंदगी देने से बड़ा कोई दान नहीं है। भारत सरकार ने 16वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर 3 अगस्त से वर्षभर चलने वाले 'जुग-जुग जियो अभियान' का शुभारम्भ किया है। इस अभियान का संदेश अत्यंत प्रेरणादायक है 'अंगदाता का जीवन उसके द्वारा दान किए गए अंगों एवं ऊतकों के माध्यम से सदैव जीवित रहता है।'

राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय डिजिटल ऑर्गन डोनेशन प्रतिज्ञा अभियान के दौरान राजस्थान ने पूरे देश में सर्वाधिक डिजिटल अंगदान प्रतिज्ञाएँ दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। केवल एक ही दिन में 9336 डिजिटल प्रतिज्ञाएँ तथा 69 हजार से अधिक डिजिटल प्रतिज्ञाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि राजस्थान का समाज जीवन बचाने के इस अभियान के प्रति पूर्ण संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ आगे आया है।

मुस्लिम संगठनों ने आंदोलन का ऐलान किया

जयपुर। प्रदेश में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता के विरोध में मुस्लिम संगठनों ने आंदोलन का ऐलान किया है। जमात-ए-इस्लामी हिंद और जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने बुधवार को संयुक्त रूप से कहा कि यूसीसी संविधान, पर्सनल लॉ और मौलिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। यदि सरकार इसे लागू करने की दिशा में आगे बढ़ती है तो प्रदेशभर में जनजागरण अभियान, धरना-प्रदर्शन, राज्यपाल को ज्ञापन और आवश्यकता पड़ने पर हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में कानूनी चुनौती दी जाएगी। जमात-ए-इस्लामी हिंद के प्रदेशाध्यक्ष मोहम्मद नाजिम ने कहा कि यूसीसी जैसे महत्वपूर्ण कानून पर सभी समुदायों से व्यापक संवाद होना चाहिए। संगठन हस्ताक्षर अभियान चलाएगा, जिलों में बैठकें करेगा और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करेगा। साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायकों से भी इस मुद्दे पर अंतरात्मा की आवाज के अनुसार विधानसभा में चर्चा करने की अपील की जाएगी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रदेश उपाध्यक्ष हाफिज मंजूर अली खान ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 29 सहित अन्य प्रावधान अल्पसंख्यकों की भाषा, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करते हैं। उन्होंने यूसीसी अध्ययन समिति में राज्य के न्यायिक और सामाजिक विशेषज्ञों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिए जाने पर भी सवाल उठाया।

हिस्ट्रीशीटर दंपत्ति के अवैध तीन मंजिला मकान पर चला बुलडोजर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर हार्डकोर अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जयपुर दक्षिण जिले की मानसरोवर थाना पुलिस और जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर दंपत्ति के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया। पुलिस के अनुसार ध्वस्त की गई तीन मंजिला अवैध इमारत की बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपए आंकी गई है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि मानसरोवर थाना क्षेत्र के गुर्जर की थड़ी स्थित शिव शंकर विहार में हिस्ट्रीशीटर मुकेश सांसी (49) और उसकी पत्नी तीजा देवी (45) ने कथित रूप से अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित धन से जेडीए की अनुमति लिए बिना तथा भवन बायलॉज का उल्लंघन करते हुए मकान संख्या 36ए और 37 पर तीन मंजिला निर्माण करा रखा था। पुलिस के अनुसार क्षेत्र के लोगों द्वारा अवैध निर्माण का विरोध किए जाने पर आरोपी उन्हें डराकर-धमकाकर क्षेत्र में खौफ का माहौल बनाते थे।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त (मानसरोवर) हेमेंद्र शर्मा के पर्यवेक्षण में मानसरोवर थानाधिकारी सतीश चंद के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस और जेडीए की संयुक्त टीम ने समन्वित कार्रवाई करते हुए मकान संख्या 36ए पर किए गए अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। वहीं मकान संख्या 37 के संबंध में जेडीए ने धारा 32 के तहत नोटिस जारी किया है।

पुलिस के अनुसार हिस्ट्रीशीटर तीजा देवी के खिलाफ मानसरोवर थाने में कुल 12 मामले दर्ज हैं। इनमें 9 मामले अवैध शराब तथा 3 मामले एनडीपीएस एक्ट से जुड़े हैं। इनमें से 11 मामलों में न्यायालय में चालान पेश किया जा चुका है, जबकि एक मामला विचाराधीन है। वहीं मुकेश सांसी के खिलाफ 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें 6 मामले अवैध शराब तथा 2 मामले एनडीपीएस एवं आर्म्स एक्ट से संबंधित हैं।

जयपुर पुलिस और जेडीए टीम ने बुधवार को मानसरोवर क्षेत्र में हिस्ट्रीशीटर दंपत्ति के अवैध मकान को ध्वस्त किया।